FOURTHESTATE

पत्रकारिता की अभ्यास संहिता

प्रस्तावना

पत्रकारिता के पेशे का मिशन एक टिकाऊ, जवाबदेह और आज़ाद ख़याल प्रेस को बढ़ावा और मदद देने के साथ-साथ उसे संजोए रखकर एक स्वस्थ समाज गढ़ने में योगदान करना है।

सिर्फ़ एक टिकाऊ और आज़ाद ख़याल प्रेस ही नैतिकता की दृष्टि से एक स्वतंत्र प्रेस होता है।

पत्रकारिता के पेशे के तीन मुख्य सिद्धांत होते हैं, जो पत्रकारिता के नैतिक अभ्यास का मूल मंत्र कहे जाते हैं :

- सच बयान करना
- पारदर्शिता का ध्यान रखना
- समुदाय के हित में काम करना

ये तीन सिद्धांत ऐसे किसी भी व्यक्ति के लिए एक ज़्यादा विस्तृत अभ्यास संहिता के आधार बनेंगे, जो नैतिकता और सिद्धांतों पर टिकी पत्रकारिता में विश्वास रखता हो, फिर चाहे वह किसी भी पृष्ठभूमि, रोज़गार या संचार के ज़रिए से क्यों न ताल्लुक रखता हो।

यह संहिता उन पेशेवर पत्रकारों के साथ-साथ ऐसे बाहरी लोगों के लिए भी उतनी ही प्रासंगिक है, जो अपने समुदाय से ताल्लुक रखने वाली घटनाओं और समस्याओं की ईमानदारी और निष्पक्षता से रिपोर्ट करने का जज़्बा रखते हैं।

पत्रकारिता के नैतिक मानक

सटीकता

पत्रकारिता के क्षेत्र में सटीकता का महत्व, विशिष्टता या समय की पाबंदगी की तुलना में कहीं ज़्यादा होता है।

- पक्का कर लें कि आपके काम से जुड़ा हर तथ्य बिल्कुल सटीक है।
- उन तथ्यों को न छिपाएँ,जो आपके द्वारा रिपोर्ट किए जा रहे मामले पर रोशनी डालते हैं।
- सटीक रिपोर्टिंग के लिए संदर्भ अक्सर सबसे ज़रूरी चीज़ होती है। पक्का कर लें कि पर्याप्त संदर्भ दिया गया है।
- तथ्य, पुरज़ोर दावे या राय के बीच स्पष्ट रूप से फ़र्क करें।

स्वतन्त्रता

सरकार के दबाव, व्यावसायिक हितों, बाज़ार की ताकतों या किसी भी तरह के निजी स्वार्थों या बाहरी दबावों से आज़ाद रहकर काम करना ही निष्पक्ष, आलोचनात्मक और भरोसेमंद पत्रकारिता की पहचान है। ये गुण लोगों के मन में इसकी वैधता और विश्वसनीयता को पुख्ता करते हैं।

- सभी तथ्यों पर ध्यान से विचार करने के बाद ही उनके आधार पर अपनी संपादकीय राय कायम करें।
- अपने आप को राजनीतिक, सांप्रदायिक या व्यावसायिक हितों से प्रभावित न होने दें।
- उपहार, फ़ंडिंग, विज्ञापन-प्रसार पर आधारित संबंधों और मुफ़्त या छूट पर मिलने वाली यात्रा या सेवाओं से जुड़े किन्हीं भी हितों के टकराव को उजागर करें और उनका समाधान करें।

निष्पक्षता

निष्पक्षता का मतलब है कभी भी किसी खास तरह की विचारधारा, विचार या पूर्वाग्रह को पहले से सच या झूठ मानकर न चलना। निष्पक्ष रहने के लिए, न्यायसंगतता और सबूतों के महत्व के बीच संतुलन बनाने की ज़रूरत होती है : इसकी मदद से पत्रकार घटनाओं से जुड़े सभी तथ्यों और नज़रियों का तटस्थ रूप से विश्लेषण करके पूरे घटनाक्रम को समझ सकते हैं।

- सभी तथ्यों को एक नज़र से देखें और सिर्फ़ सबूतों के महत्व के आधार पर संपादकीय राय कायम करें और विश्लेषण पूरा करें।
- आपके अपने नज़रिए, प्राथमिकताओं या पूर्वाग्रहों को अपने काम में बाधा डालने न दें। उन्हें दरकिनार कर दें।
- तथ्यों की फ़ेहरिस्त पर सिर्फ़ बात न करें या झूठा संतुलन बनाने की कोशिश न करें : उनके महत्व को परखें अपने काम में सबूतों के बल पर वज़न लाएँ।
- विचारों की उचित विविधता शामिल करने का लक्ष्य रखें और फिर उन विचारों को उनकी प्रमुखता और महत्व के हिसाब से एक-एक करके रखें।

सत्यनिष्ठा

ईमानदार पत्रकारिता ही सुनिश्चित करती है कि लोग और संगठन पत्रकारिता के मूल्यों का सम्मान करेंगे, हर स्थिति में सही काम करने की कोशिश करेंगे, सच्चाई को अपने व्यक्तिगत या संगठन के हितों से ज़्यादा महत्व देंगे और जनता के प्रति अपने कर्तव्य को ले कर प्रतिबद्ध रहेंगे।

- अपने काम के सिलसिले में आपका जिन लोगों से वास्ता पड़ता है, उनके साथ सम्मान और विनम्रता से पेश आएँ।
- जब तक आपको जनता के सामने सच्चाई उजागर करने के मकसद से अपनी पहचान छिपाने की ज़रूरत न हो, तब तक हमेशा एक पत्रकार के रूप में अपनी पहचान बताएँ।
- जहाँ तक संभव हो, “लोगों को अपना काम दिखाने” के मौके तलाशें, ताकि आप जनता को बता सकें कि एक पत्रकार होने के नाते आपने क्या-क्या अंदरूनी जानकारी जुटाई है।

- अगर आपने जनता के महत्व की बात पर सच्चाई उजागर करने के मकसद से जानकारी जुटाने के लिए गोपनीय साधनों (गुप्त कैमरे, गुप्त रिकॉर्डिंग डिवाइस वगैरह...) का इस्तेमाल किया है, तो ऐसा करने का औचित्य समझाया जा सकता है।
- अगर किसी व्यक्ति पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया गया है, तो उसे अपनी सफ़ाई पेश करने का उचित मौका दें।
- जानकारी के साथ-साथ सूत्र का हवाला ज़रूर दें, बशर्ते सूत्र कोई ऐसा न हो, जिसे सुरक्षित रखा गया है, ताकि सार्वजनिक महत्व के मामलों में सच्चाई उजागर की जा सके। जहाँ भी सूत्र को गुमनाम रखने की ज़रूरत हो, वहाँ उसे गुमनाम रखें।
- साहित्य की नकल या चोरी न करें।

नुकसान को कम करना

पत्रकारों को हमेशा याद रखना चाहिए कि उनका वास्ता लोगों की ज़िंदगी से होता है। पत्रकारिता से जुड़ी गतिविधियाँ ऐसी होनी चाहिए कि उनसे जनता को कम-से-कम नुकसान पहुँचे और उनका ज़्यादा-से-ज़्यादा भला हो।

- याद रखें कि आपके काम में ऐसी सामग्री हो सकती है, जो नुकसान पहुँचा सकती है। ध्यान से विचार करके एक ऐसा रास्ता तलाशें, जिससे किसी को भी बेवजह नुकसान न पहुँचे।
- अप्रिय, विरोध दर्शाने वाली या नुकसान पहुँचाने वाली आवाज़ों, तस्वीरें या शब्दों का खुलकर इस्तेमाल करने से बचें।
- लोगों की निजता के अधिकार का उचित सम्मान करें, लेकिन तभी तक, जब तक कि वह जनता की भलाई की दृष्टि से तैयार की गई किसी खबर की राह में रुकावट न बने।
- बच्चों, अपराध के शिकार या आघात, चोट, बीमारी अथवा अन्य कारणों की वजह से कमज़ोर हो चुके लोगों से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता का परिचय दें।

मेल-जोल

जनता के साथ मेल-जोल रखने से सुनिश्चित होता है कि पत्रकारिता आज़ादी, सुलभता, सहयोग और लोगों को साथ ले कर चलने का दूसरा नाम है, जहाँ पत्रकार से आला दर्जे की सटीकता, स्वतंत्रता, निष्पक्षता और सत्यनिष्ठा की उम्मीद की जाती है।

- आप क्या करना चाहते हैं इसका फ़ैसला इस बार पर टिका होता है कि आप जिस समुदाय की सेवा करते हैं, उसके लिए कौन-सी चीज़ प्रासंगिक और खबर का रूप देने लायक है।
- समुदाय के साथ मुक्त संवाद शुरू करें और कायम रखें।
- अपना काम करने से पहले, उसके दौरान और उसके बाद, समुदाय की राय और उनके विचार जानें।

जवाबदेही

नैतिक पत्रकारिता के अभ्यास और लोगों का भरोसा कायम रखने के लिहाज़ से जवाबदेही बेहद महत्वपूर्ण होती है। समाचार जुटाने और खबर पहुँचाने के माध्यमों से जुड़े अभ्यासों के प्रति जवाबदेह रहकर आप दृढ़ प्रतिबद्धता जताने के साथ-साथ अपनी पत्रकारिता और अपने साथियों की पत्रकारिता की ज़िम्मेदारी लेते हैं।

- अपने काम के बारे में समुदाय की ओर से मिली राय पर ध्यानपूर्वक विचार करें।
- किसी भी शिकायत का सकारात्मक ढंग से जवाब दें, खासतौर से इन मानकों के संबंध में उठाए गए मामलों से जुड़ी शिकायतों का।
- गलतियाँ या संभावित रूप से अधूरी या भ्रामक जानकारी मिलने पर, तत्काल सुधार करें या प्रमुखता और निष्पक्षता से स्पष्टीकरण दें।
- कोई भी त्रुटि या अधूरी अथवा भ्रामक जानकारी न मिलने पर, किसी भी तरह के बाहरी दबाव में आ कर अपने काम में कोई बदलाव न करें या उसकी कोई भी सामग्री न हटाएँ।